

ÇĀK. 33, 18. देवयानं वा पन्थानम् ÇĀT. Br. 14, 8, 10, 9. दक्षिणामयनम् PRAÇ-
NOP. 1, 9. पद्वीम् KUMĀRAS. 4, 10. BHĀG. P. 8, 12, 31. नक्षत्रमार्गम् MBh. 3,
1766. को गतिम् 9, 3618. उत्पद्यप्रतिपन्न Spr. 873. द्वारेण ÇĀT. Br. 14, 4,
4, 2. वेष्टमानि R. 2, 33, 24. वनम् 3, 53, 9. MBh. 1, 5877. स्वपुरम् BHĀG. P.
4, 12, 9. स्वधाम 7, 10, 68. को दिशं प्रतिपत्स्यामः MBh. 1, 5918. रूपः
प्रत्यपद्यत हुमान् R. 5, 60, 7. इह ऀÇV. GRHJ. 1, 5. अमीन् ÇĀT. Br. 3, 8, 4,
9. ÇĀK. ÇR. 5, 15, 12. नरकम् M. 2, 116. 11, 206. लोकानमलान् BHĀG.
14, 14. संसारम् M. 6, 74. संसारान् 12, 39, 54. उमामुखं तु प्रतिपद्य (लक्ष्मीः)
KUMĀRAS. 1, 44. कृताश्चः सक्तेवस्य प्रतिपेदे महारथम् DRAUP. 8, 15. सा तु
तापसं प्रत्यपद्यत (um sich mit ihm zu verbinden) MBh. 13, 550. anlan-
gen, ankommen bei: तेषामाजिं यतामभिसृष्टानां वापुर्मुखं प्रथमः प्रत्यपद्यत
AIT. Br. 2, 25. यमेष न प्रतिपद्येत wieder anlangen ÇĀT. Br. 14, 7, 1, 15.
seine Zuflucht nehmen zu: एतन्नयं प्रतिपद्येत KĀND. UP. 3, 17, 6. अज्ञात
इत्येवं कश्चिद्भीरुः प्रतिपद्यते ÇVETĀÇV. UP. 4, 21. न्याय्यः श्रेयोऽभिकामिन
प्रतिपत्तुं जनार्दनः MBh. 13, 6916. भोष्मं शिराभिः प्रतिपेदिरे 6, 4942. यस्य
गार्हपत्याकृवनीयावत्तरेणानो वा रथो वा आ वा प्रतिपद्येत dazwischen
treten, — gerathen AIT. Br. 7, 12. ÇĀK. ÇR. 1, 4, 1. kommen, eintre-
ten: वर्तते ऽद्य मया राजान्द्विवसे तूत्तरे पुनः । फाल्गुन्यः प्रतिपत्स्यते R.
GORR. 1, 73, 23. प्रतिपन्नः — सेवावकाशो मे MĀLAV. 48. गते दशरथे स्वर्ग-
मधर्मः प्रतिपत्स्यते R. GORR. 2, 43, 25. wiederkehren: भूयिष्ठेन च राजानः
श्रियं भुक्त्वायुषः तपे । तरुणाः प्रतिपद्यते भोक्तुं मुकृतङ्कृते ॥ MBh. 5,
3507. wandeln: एतेन (यथा) प्रतिपद्यमानाः KĀND. UP. 4, 13, 6. — 2) in
eine Lage kommen, in einen Zustand gerathen; erlangen, theilhaftig
werden, bekommen, empfangen: ईदृशीं वयःसमवस्थां प्रतिपन्नो ऽस्मि
ÇĀK. 60, 12. v. l. स्थायिताम् SĀH. D. 23, 2. स्वं देवभावम् ÇĀK. zu BRH. ĀR.
UP. S. 66. ÇĀT. Br. 14, 4, 2, 22. वनस्था अयि राज्यानि विनयात्प्रतिपेदिरे
M. 7, 40. SĀV. 3, 32. R. 2, 112, 13. RAGH. 4, 1. 12, 7. 14, 21. जयश्रियम् 4,
41. 19, 55. RĪGA-TAR. 4, 484. दानुर्गदुष्कृतं किञ्चित्तत्सर्वं प्रतिपद्यते M. 3,
191. 7, 94. R. 2, 75, 32. तथैव वेदानुप्रयस्तपसा प्रतिपेदिरे M. 11, 243.
MBh. 5, 7548. ÇĀK. 108, 10. तदा ययं पुनः सर्वाः स्वल्पं प्रतिपत्स्यथ MBh.
1, 7870. 3, 2632. 5, 7495. 7337. R. 3, 53, 2. SOM. NAL. 113. RAGH. 11, 34.
त्रयं श्रूयणात् नाम्नः सदृशं प्रत्यपद्यत 12, 38. त्वं यदो प्रतिपद्यस्व पाप्मानं
वरुणा सक्तु MBh. 1, 3468. fg. 3493. fg. तथेत्युक्त्वा ततो गङ्गा ततोऽः प्रत्य-
पद्यत nahm den Samen auf R. GORR. 1, 39, 15. ते च कालेन महता यौवनं
प्रतिपेदिरे R. 1, 39, 18. MBh. 3, 13861. 4, 728. HARIV. 11213. R. 5, 8, 20.
RAGH. 6, 86. KATHĀS. 38, 154. MĀR. P. 48, 39. 62, 25. HIT. PR. 33. DAÇAK.
in BENF. Chr. 200, 18. BHĀTT. 13, 14. प्राणान् wiedererlangen AIT. Br. 8, 22.
M. 2, 120. निषधान् N. 7, 5. प्रायः स्वं महिमानं नोभात्प्रतिपद्यते हि जनः
ÇĀK. 158. wieder aufnehmen: ततः पुत्रवतीमिनां प्रतिपत्स्ये त्वदाज्ञया
RAGH. 15, 73. — 3) auf Etwas stossen, antreffen, finden: प्रत्यपद्यत र-
त्नानि विविधानि HARIV. 6789. — 4) gewahr —, inne werden, hinter
Etwas kommen, eine Kenntniss von Etwas erlangen, kennen lernen,
erfahren, erkennen, einsehen, begreifen: तिमिरे हि कौशिकानां त्रयं
प्रतिपद्यते दृष्टिः Spr. 37. जिह्वया रसम् BHĀG. P. 3, 6, 13. प्राणोऽसंस्पर्शम्
16. रोमभिः काण्डम् 18. रेतसानन्दम् 19. चेतसा विक्रियाम् 24. चित्तेन वि-
ज्ञानम् 26. विवेकेन ÇĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 287. मनसापि हि कर्माणि
यः काले प्रतिपद्यते । स राजा बुद्धिसंपन्नः परेषां मूर्ध्नि वर्तते ॥ R. 4, 28, 15.
MBh. 5, 6044. यथा न नृपतिर्भोमिः प्रतिपद्यते मे मतम् । तथा त्वया कर्तव्य-

म् 3, 2759. ते चापि पृष्टान् नैवात्र प्रतिपत्स्यति निश्चयम् R. GORR. 1, 8, 19.
प्रतिपत्स्यति राजा स पिता ते यदनक्षरम् wird wissen MBh. 5, 6027.
ÇĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 303. RV. PRĀT. 14, 28. SĀH. D. 10, 4. प्रतिपन्न
vertraut mit Etwas: प्रतिपन्नान्स्वकार्येषु समोक्ष्यसि नो भृशम् MBh. 2.
1949. बुद्ध्या स्वप्रतिपन्नेषु कुर्यात्साधुधनुर्गदम् 3, 11312. काञ्चित् द्विपता-
मर्थः (doch wohl अर्थे zu lesen) प्रतिपन्नश्च सर्वशः R. GORR. 2, 109, 46. ge-
kannst, = विदित, विज्ञात AK. 3, 2, 57. H. 1496. MED. n. 192. इति प्र-
तिपन्नं हि विचेतनैरपि KUMĀRAS. 4, 33. — 5) annehmen, dafür halten
ÇĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 252. 315. तद्भेदेन स्वात्मानं प्रतिपद्यते er hält
sich nicht für verschieden von jenem SĀH. D. 26, 12. देहमात्रं चैतन्यवि-
शिष्टमात्मेति प्राकृता जना लोकायतिकाश्च प्रतिपन्नाः sind der Ansicht,
sind davon überzeugt WIND. SANCARA 94, 1. — 6) eingehen auf Etwas,
ja sagen zu Etwas, zusagen, versprechen, sich einverstanden erklären
mit (acc.), einwilligen, zugeben, anerkennen ÇĀK. 66, 19. KATHĀS. 33, 155.
TARKAS. 32. DAÇAK. in BENF. Chr. 198, 4. तथा प्रतिपद्य PĀNĀT. 129, 4.
तथेति प्रत्यपद्यत R. 1, 10, 15. 6, 1, 13. KATHĀS. 7, 93. BHĀG. P. 9, 14, 22.
PĀNĀT. 184, 5. तथेति प्रतिपन्नवान् KATHĀS. 27, 182. गङ्गे तथेति प्रतिपन्ने
PĀNĀT. 48, 18. RAGH. 13, 93. DAÇAK. in BENF. Chr. 191, 17. पूर्वप्रतिपन्न
der vorher zugesagt hatte KATHĀS. 32, 26. तथा तथेति प्रतिपन्नम् PĀNĀT.
ed. ORN. 53, 12. 18. DAÇAK. in BENF. Chr. 193, 2. मयोक्ता सा वचनं प्रति-
पत्स्यते MBh. 1, 4843. एवमस्त्विति तद्वाक्यं प्रकृष्टः प्रत्यपद्यत R. 3, 33, 6.
VID. 309. SOM. NAL. 27. एवं मे समयं त्वय्य प्रतिपद्यस्व MBh. 4, 705. किं
प्रतिपद्यते वैदर्भः worauf geht er ein? MĀLAV. 8, 13. VID. 169. KATHĀS. 4.
79. 27, 26. 36, 49. 38, 54. नहि मे कातरं प्रतिपद्यते । चेतो बालिवधम्
BHĀTT. 6, 111. एतस्यै वसूनि प्रत्यपद्यत zusagen, versprechen 8, 74. तद-
नुर्गदणामेव राघवः प्रत्यपद्यत समर्थमुत्तरम् RAGH. 11, 79. कथो कथयितुम्
KATHĀS. 1, 45. mit dem acc. der Person Jmd ja sagen, auf Jmdes For-
derungen eingehen: न मासे प्रतिपत्तासे मां चेत् BHĀTT. 8, 95. प्रतिपन्न
was man zugesagt hat, wozu man eingewilligt hat, anerkannt R. 2, 38, 7.
प्रतिपन्नमलमनसो न चलति पुंसो युगान्ते ऽपि Spr. 598. निर्वाहः प्रतिप-
न्नस्तुषु मतामेतद्धि गोत्रत्रतम् 672. कार्यं त्वया नः प्रतिपन्नकल्पम् KUMĀ-
RAS. 3, 14. प्रतिपन्नार्थनिर्वाहः VID. 120. 237. 188. PĀNĀT. 23, 11 (ed. ORN.
22, 2). PRAB. 12, 9. VET. in LA. 4, 5. 24, 2. ÇUK. ebend. 44, 9. anerkannt
(eine Schuld) JĀG. 2, 49. यतः स प्रतिपन्नो ऽस्माकं भ्राता da wir ihn als
unsern Bruder anerkannt haben PĀNĀT. 206, 10. प्रतिपन्न = झङ्गीकृत
H. an. 4, 180. MED. n. 192. — 7) anfangen zu reden, anheben; antwor-
tend beginnen: को धिह्यो प्रति वाचं पपाद् RV. 10, 114, 9. उपप्रैषम् AIT.
Br. 2, 5. धनुष्टुभा रात्रौ (so v. a. रात्रिशस्त्रं) प्रतिपद्येत 4, 6, 1, 19. 6, 33.
ÇĀT. Br. 1, 8, 4, 24. 2, 6, 1, 45. 13, 2, 1, 14, 4, 2, 22. mit Etwas (instr.):
वाप्यव्या हेता प्रतिपद्यते AIT. Br. 3, 4. प्रउगेन 14. 44. 4, 7. ÇĀT. Br. 2.
1, 4, 6. 14, 6, 9, 1. ÇĀK. BR. 11, 4. GRHJ. 4, 8. KLUÇ. 50. beantworten:
यत्किञ्च पप्रच्छ सर्वं ह प्रतिपेदे KĀND. UP. 6, 7, 4. तेभ्यो न सर्वमिव प्रति-
पत्स्ये 5, 11, 3. उत्तरम् eine Antwort geben: उच्यमानो ऽपि परुषं नोतरं
प्रतिपद्यते R. 2, 1, 8. — 8) sich an Etwas machen, thun, üben, vollbrin-
gen: तपः प्रतिपेदे NIR. 2, 10. कल्याणं प्रतिपत्स्यामि विपरीतं न ज्ञातु चित्
MBh. 1, 4936. इदं वचः शर्दर्यसि चैव्यावाविशम्य सर्वं प्रतिपत्तुमेव 5, 1552.
स्वधर्मं प्रतिपद्यस्व नाधर्मं वोढुमर्हसि R. 1, 23, 7. स्वां स्वां प्रतिपद्यते —
वृत्तिम् SĀMĀHJAK. 31. वाचा वक्तव्यम् BHĀG. P. 3, 6, 12. पायुना विसर्गम्